श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 123, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 9 दिसम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

आंशिक रहा भारत बंद का असर, कई जगह बंद से बेपरवाह

खेती में व्यस्त रहे किसान, कहा- आंदोलन रास्ता नहीं

मंगलवार को बंद के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में भाकियू कार्यकर्ताओं समेत राजनीतिक दलों ने कई जगह जाम लगाया। प्रयागराज में आंदोलनकारियों ने आधे घंटे तक बुंदेलखंड एक्सप्रेस रोकी

नई दिल्ली। केंद्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में मंगलवार को किसान संगठनों के भारत बंद का आंशिक असर दिखा। वहीं कई क्षेत्रों में बंद से परवाह किसान अपनी खेती में व्यस्त रहे। उनका कहना था कि आंदोलन से नहीं, बात से रास्ता निकलेगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने सफल बताया है। मोर्चे के सदस्य योगेंद्र यादव ने कहा कि वे अपनी मांगों पर अडिग हैं। जब तक तीनों कानूनों को वापस नहीं लिया जाएगा, उनका धरना जारी रहेगा। अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव हन्ना मोल्लाह ने कहा कि हम अपनी मांगों पर अडिग हैं। हमें कानून वापसी से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम अपने विरोध-प्रदर्शन को अगले स्तर तक ले जाएंगे।

मंगलवार को बंद के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में भाकियू कार्यकर्ताओं समेत राजनीतिक दलों ने कई जगह जाम लगाया। प्रयागराज में आंदोलनकारियों ने आधे घंटे तक बुंदेलखंड एक्सप्रेस रोकी। बिहार में तो सड़कों पर सिर्फ विपक्षी दल के नेता-कार्यकर्ता नजर आए। किसान नदारद दिखे। कई जगह ट्रेनें भी रोकी गईं। शहर के अंदर दुकानें खुली रहीं और जनजीवन ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ के रायपुर समेत अन्य शहरों में दुकानों और बाजारों को जबरन बंद कराया गया। इस बंद से बेखबर ज्यादातर किसान खेती-किसानी और धान बेचने में व्यस्त रहे। बंगाल में सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में बंद का थोड़ा-बहुत असर दिखा। झारखंड में बंद को सताधारी दल झामुमो और कांग्रेस का समर्थन था। इसके बाद भी खास असर नहीं दिखा। जिन किसानों के नाम पर यह आंदोलन किया गया था, वे इस आंदोलन से बेपरवाह रहे। दिन भर वे अपने खेतों में काम करते रहे, चाहे वो रांची हो या सुदूर पलामू या फिर संताल। साफ कहा, इस बंद से हमें कोई लेना देना नहीं। गुजरात में कहीं बसों के कांच तोड़े गये तो कहीं टायर जलाकर हाइवे को बंद करने का प्रयास किया गया। बंद की आंशिक स्थिति महाराष्ट्र और केरल में भी रही।

नए कृषि कानूनों को लेकर बढ़ा गतिरोध, छठे दौर की वार्ता टली

किसान नेताओं और अमित शाह के बीच बैठक रही बेनतीजा

किसान नेताओं के साथ गृह मंत्री अमित शाह की बैठक खत्म हो गई है। किसान नेताओं ने बैठक के बाद कहा है कि बुधवार को गृहमंत्री उनके समक्ष प्रस्ताव रखेंगे। इससे पहले मंगलवार को दोनों पक्षों के बीत लगभग दो घंटों तक संबंधित मामलों पर बातचीत हुई।

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध बढ़ गया है और इसके चलते बुधवार को किसान नेताओं और सरकार के बीच होने वाली छठे दौर की वार्ता टल गई है। भारत बंद के आयोजन के बाद और वार्ता से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गतिरोध तोड़ने के लिए मंगलवार शाम 13 किसान नेताओं के साथ बैठक की। इसमें किसान संगठन नए कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग पर अड़े रहे, लेकिन सरकार का कहना है कि कानूनों को रद करना संभव नहीं है, इनमें संशोधन किए जा सकते हैं। सरकार ये संशोधन प्रस्ताव बुधवार को सौंपेगी और इन पर चर्चा के बाद किसान संगठन अपने आगे के कदम पर फैसला करेंगे।

पांच दौर की वार्ता के बावजूद कोई समाधान नहीं निकलने की वजह से गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार शाम 13 किसान नेताओं को वार्ता के लिए बुलावा भेजा था। किसान नेताओं को यह बैठक गृह मंत्री के आवास पर होने की उम्मीद थी, लेकिन यह पूसा इंस्टीट्यूट में हुई। बैठक शाम करीब आठ बजे शुरू हुई करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में शामिल आठ

किसान नेताओं की आज 12 बजे बैठक

आल इंडिया किसान सभा के नेता और माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य हनन मुल्ला ने गृह मंत्री शाह के साथ बैठक के बाद बताया कि सरकार ने कानूनों में सिर्फ कुछ संशोधनों का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने दावा कि सरकार कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव लिखित में देने के लिए राजी हैं, लेकिन बैठक में मौजूद सभी 13 किसान संगठन कानूनों को रद करने से कम पर तैयार नहीं हैं। फिलहाल किसान अगले दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के बारे में विचार-विमर्श करेंगे। किसान संगठनों के नेताओं की बैठक बुधवार दोपहर 12 बजे सिंघु बार्डर पर होगी।

किसान नेता पंजाब से और पांच विभिन्न देशव्यापी संगठनों से थे। सरकार ने जिन किसान नेताओं को वार्ता के लिए आमंत्रित किया था, उनके नाम हैं- राकेश टिकैत, गुरनाम सिंह चढूनी, हनन मुल्ला, शिव कुमार कक्का, बलवीर सिंह राजेवाल, जगजीत सिंह, रुलदू सिंह मानसा, मनजीत सिंह राय, बूटा सिंह बुर्जगिल, हरिंदर सिंह लख्खोवाल, दर्शन पाल, कुलवंत सिंह संधू और बोध सिंह मानसा।

बढ़ गई थी समाधान की उम्मीद

गृह मंत्री शाह की ओर से किसान नेताओं को वार्ता के लिए बुलाने से बुधवार को होने वाली छठे दौर की वार्ता में समाधान की उम्मीद बढ़ गई थी। इसकी वजह यह थी कि किसान संगठन कई बार मांग कर चुके थे कि कृषि कानूनों के मसले पर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बात करनी चाहिए। जबकि सरकार की ओर से अभी तक कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और वाणिज्य व रेल मंत्री पीयूष गोयल किसानों से बात करते रहे हैं।

मुलाकात से पूर्व ही दे दिए थे संकेत

दिल्ली की सीमाओं पर पिछले 13 दिनों से डटे किसान नेताओं ने गृह मंत्री से मुलाकात से पूर्व ही सिंघु बार्डर पर प्रेसवार्ता कर अपनी जिद में नरमी नहीं आने के संकेत दे दिए थे। किसान नेता रुलदू सिंह मानसा का कहना था, 'विवादित कानूनों को रद करने के अलावा बीच के किसी रास्ते पर बातचीत नहीं होगी। हमें तो अमित शाह से सिर्फ 'हां या ना' में ही जवाब चाहिए।'

कई संगठन कानूनों को बता रहे किसान हितैषी

एक तरफ आंदोलनकारी किसान कृषि कानूनों को रद करने की मांग पर अड़े हैं, तो दूसरी तरफ सरकार के पास कई संगठनों की ओर से कानूनों को किसान हित में बताकर जारी रखने की अपील की जाने लगी है। सरकार इसी के सहारे आंदोलनकारी किसानों को राजी करने की कोशिश कर रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर किसानों के आंदोलन से जुड़े मसलों पर राय मशविरा किया। उन्होंने राज्य के किसान संगठनों और किसान उत्पादक संघों की राय के बारे में भी जानकारी दी। मनोहर ने कहा, 'भाजपा ने जब भी किसान हित के काम किए हैं, विपक्ष ने अलग राग अलापा है।

पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ बदला मौसम का मिजाज

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। साथ ही सोमवार के अधिकतम तापमान (30.2 डिग्री) के मुकाबले 1.1 डिग्री भी अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री दर्ज हुआ।

भोपाल, जेएनएन। पाकिस्तान के पास बने ट्रफ के कारण उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ ही बरसात भी हो रही है। उधर राजस्थान पर एक चक्रवात और विदर्भ के पास प्रति चक्रवात बनने के कारण हवाओं का रख बार-बार बदल रहा है। इससे मध्य प्रदेश में दिन-रात के तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक 12-13 दिसंबर को राजधानी सहित प्रदेश के कई स्थानों पर बरसात की संभावना बन रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। साथ ही सोमवार के अधिकतम तापमान (30.2 डिग्री) के मुकाबले 1.1 डिग्री भी अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री दर्ज हुआ। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ ट्रफ के रूप में सक्रिय है। इस सिस्टम को अरब सागर से काफी नमी मिल रही है। इससे उत्तर भारत के पहाड़ों पर बरसात जारी है। वहां बर्फबारी भी होगी।

शुक्ला के मुताबिक वर्तमान में उत्तर-पश्चिम राजस्थान पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त विदर्भ पर एक प्रति चक्रवात बना हुआ है। इन दो सिस्टम के कारण हवा का रख बार-बार बदल रहा है। इससे दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

एक और पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। उसके प्रभाव से राजस्थान पर एक प्रेरित चक्रवात बनने के संकेत मिल रहे हैं। इससे मध्य प्रदेश में 11 दिसंबर से बादल छाने लगेंगे। 12-13 दिसंबर को राजधानी सहित प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश होने के भी आसार हैं। वहीं, देश की राजधानी दिल्ली-एनसीआर में दिन के दौरान आसमान साफ और तेज धूप बनी रहती है। वहीं, सुबह और शाम में ठंड बढ़ जाती है।

किसानों के समर्थन में राष्ट्रपति से आज मिलेंगे विपक्षी नेता

किसान आंदोलन में कांग्रेस को हरियाणा में सियासी फायदे की उम्मीद दिख रही है। खट्टर सरकार का समर्थन कर रहे जजपा के कई विधायक कृषि कानूनों के खिलाफ हैं और सूबे में सियासी उथल-पुथल की नौबत आ सकती है।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। किसानों के आंदोलन का पुरजोर समर्थन कर रहे विपक्षी दल बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविद से मुलाकात कर विवादित तीनों कृषि कानूनों को रद करने की मांग करेंगे। विपक्षी नेता राष्ट्रपति से इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की बात भी उठाएंगे। इस मुद्दे पर भारत बंद को कामयाब बता रहे विपक्ष को किसानों के आंदोलन ने अपनी राजनीति को धार देने के लिए नई ऊर्जा दे दी है। इसके मद्देनजर विपक्षी दलों की अगुआई कर रही कांग्रेस ने कृषि सुधारों की हिमायत करते हुए भी तीनों कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने को अनिवार्य करार दिया।

कांग्रेस के इस रुख से साफ है कि विपक्षी नेता राष्ट्रपति से मुलाकात में संसद का सत्र बुलाकर कानूनों को रद करने की सबसे प्रमुख मांग रखेंगे। कोरोना प्रोटोकॉल के तहत केवल पांच विपक्षी नेताओं को ही राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए बुधवार शाम पांच बजे बुलाया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एनसीपी नेता शरद पवार, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा नेता डी राजा और द्रमुक नेता इलानगोवान विपक्षी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के नुमाइंदे को भी विपक्षी दल में शामिल किए जाने की गुंजाइश बनाई जा रही है। इन सभी पार्टियों के साथ विपक्षी खेमे के करीब डेढ दर्जन दलों ने किसानों के भारत बंद का समर्थन किया है। बिहार के चुनाव में मिली मात से बेदम हुए विपक्षी दलों को जन आंदोलन के सहारे अपनी राजनीतिक साख की वापसी का मौका नजर आ रहा है। इसीलिए किसानों के आंदोलन को विपक्ष सड़क से संसद तक ले जाने के लिए पूरा जोर लगा रहा है। शरद पवार ने मंगलवार को संकेत भी दिया कि राष्ट्रपति से मुलाकात से पहले विपक्षी नेता इस मुददे पर साझी रणनीति तय करने के लिए आपस में मंत्रणा भी करेंगे।

कृषि कानूनों को रद करने की मांग पर अड़े किसानों के रुख का समर्थन करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि बेशक कांग्रेस मानती है कि कृषि क्षेत्र में कुछ सुधार की जरूरत है, लेकिन विवादित तीनों कानून कृषि सुधार नहीं हैं और इसीलिए इन्हें रद किया जाए। कृषि क्षेत्र में सुधार करना है तो संसद का विशेष सत्र बुला इन कानूनों को रद किया जाए। साथ ही कृषि सुधारों पर सभी हितधारकों से खुली चर्चा कर इस पर फैसला किया जाना चाहिए।

हुड्डा ने कहा कि सरकार इन तीनों कानूनों को रखना चाहती है तो फिर उसे एमएसपी की गारंटी देने वाला चौथा कानून बनाना होगा। ऐसा नहीं हुआ तो पूंजीपति किसानों से सस्ते दाम पर फसल खरीद कर होर्डिंग करेंगे और फिर महंगे दाम पर बचेंगे। जबकि बीते छह-सात सालों में फसल की लागत काफी बढ़ी है और इसकी तुलना में एमएसपी में इजाफा नहीं हुआ है।

भारत में जल्द वैक्सीन मिलने की उम्मीद, जानें- वितरण व्यवस्था

नीलू रंजन, नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन जल्द उपलब्ध होने की उम्मीद को देखते हुए सरकार ने इसके वितरण की व्यवस्था को चाक-चौबंद करना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, केंद्र सरकार से लेकर ब्लॉक स्तर पर वैक्सीन लगाए जाने का तंत्र तैयार है और देश के सभी ब्लॉक में गठित टास्क फोर्स की बैठक 15 दिसंबर तक पूरा करने को कह दिया गया है। इसके साथ ही वैक्सीन लगाये जाने वाले प्राथमिकता समूहों से लेकर उन्हें लगाने वालों की सूची भी तैयार कर ली गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पहले फेज में सरकार के पास वैक्सीन के तीन करोड़ डोज अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कोल्ड चैन पहले से तैयार है।

कोरोना वैक्सीन की तैयारियों का विस्तृत खाका पेश करते हुए स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि 14 अप्रैल को प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के विजयराघवन और नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वीके पॉल की सह-अध्यक्षता में वैक्सीन टास्क फोर्स की शुरूआत हो गई थी। इसके बाद सात अगस्त को डॉक्टर वीके पॉल और स्वास्थ्य सचिव की सह-अध्यक्षता में नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन एडमिनिस्ट्रेशन (नेगवैक) का गठन किया गया था, जिसमें विशेषज्ञों के साथ-साथ पांच राज्यों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नेगवैक ने कुल 30 करोड़ प्राथमिकता वाले लोगों की पहचान कर ली है। इनमें एक करोड़ हेल्थकेयर वर्कर्स, दो करोड़ पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी समेत अन्य फ्रंटलाइन वर्कर्स हैं। इसके अलावा 27 करोड़ ऐसे लोग हैं, जिनकी उम्र 50 साल से अधिक है। सबसे पहले इन्हीं लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। वैसे राजेश भूषण ने यह भी साफ कर दिया कि इन तीन समूहों में एक साथ वैक्सीन की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

राजेश भूषण ने कहा कि कोरोना के वैक्सीन वितरण के लिए सभी राज्यों में राज्य स्तर पर संचालन समिति और टास्क फोर्स का गठन हो चुका है। इसके साथ ही जिला और ब्लॉक स्तर पर भी टास्क फोर्स बनाया गया है। सभी राज्यों में राज्य संचालन समिति और टास्क फोर्स की बैठक मंगलवार तक हो जाएगी, वहीं जिला स्तर पर टास्क फोर्स की बैठक 10 दिसंबर और ब्लॉक स्तर पर टास्ट फोर्स की बैठक 15 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में देश में वैक्सीन को फ्रीजर में रखने और लाने-ले जाने के लिए 85,634 स्टोरेज और 28,947 कोल्ड चैन के प्वाइंट मौजूद हैं, जो तीन करोड़

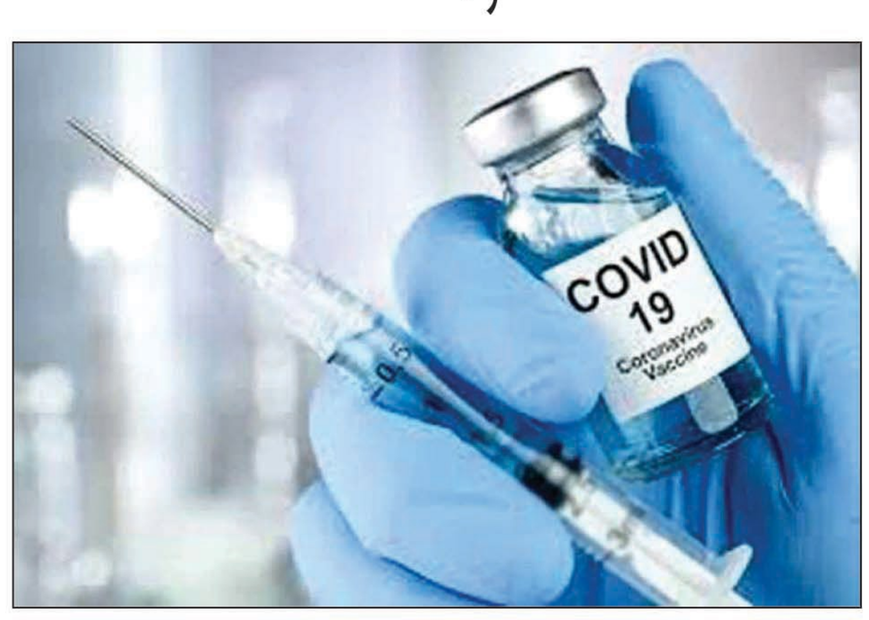

हेल्थकेयर वर्कर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन देने के लिए पर्याप्त है। इसके साथ राज्यों से अतिरिक्त कोल्ड स्टोरेज व कोल्ड चैन की जरूरतों पर बातचीत हो रही है और 10 दिसंबर से उन्हें इसकी आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

राजेश भूषण के अनुसार, देश में इस समय वैक्सीन देने वाले कर्मियों की संख्या 2.39 लाख है, जो मौजूदा टीकाकरण अभियान में लगे हुए हैं। इनमें से 1.54 लाख वैक्सीन कर्मियों को कोरोना वैक्सीन में लगाया जाएगा, ताकि बच्चों और महिलाओं के लिए चल रहा टीकाकरण कम-से-कम प्रभावित हो। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में सीरिंज व नीडल्स खरीदने के लिए एसओपी तैयार की जा रही है। राजेश भूषण के अनुसार, राज्यों के साथ मिलकर कोरोना के वैक्सीन देने की विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है और को-विन प्लेटफार्म पर हर वैक्सीन के उत्पादन से लेकर लोगों तक लगने तक पूरी नजर रखी जाएगी।

भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को तीसरे फेज के ट्रायल का पूरा डाटा आने के पहले भी इमरजेंसी उपयोग की इजाजत मिल सकती है। आइसीएमआर के महानिदेशक डॉक्टर बलराम भार्गव ने इसके साफ संकेत दिये। उनके अनुसार, कोवैक्सीन के पहले और दूसरे फेज का डाटा मौजूद है, जिसमें पूरी तरह सुरक्षित और कारगर पाया गया है। नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वीके पॉल ने वैक्सीन के असर और सुरक्षा के दावों की जांच देश से शीर्ष विशेषज्ञों की टीम कर रही है और हमें उसके फैसले पर भरोसा करना चाहिए। डॉक्टर वीके पॉल के अनुसार, कुछ मामलों में इमरजेंसी इस्तेमाल के साथ-साथ ट्रायल की प्रक्रिया भी साथ-साथ चल सकती है।

देश में कुल नौ वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल में, तीन ने मांगी इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत

देश में कोरोना के वैक्सीन की स्थिति साफ करते हुए स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि कुल नौ वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल के स्टेज में है, जिसमें दो सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का कोविशील्ड और भारत बायोटेक का कोवैक्सीन तीसरे फेज के एडवांस स्टेज में है। सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक ने इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मांगी है। सीरम इंस्टीट्यूट ने ब्रिटेन और ब्राजील में हुए ट्रायल का डाटा पेश किया है। लेकिन भारत बायोटेक के तीसरे फेज के ट्रायल का डाटा अभी नहीं आया है।

ग्रामीण अंचल

संक्षेप समाचार

भारत बंद समर्थको को पुलिस से हुई तीखी नोकझोक

कोरांव। देश की राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा लाए गए कृषि अध्यादेश के विरोध में किसानों का अनवरत चल रहे धरने के समर्थन में देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियां भी शामिल हो गई है। इसी क्रम में तमाम किसान संगठनों के भारत बंद के आवाहन पर नगर पंचायत कोरांव में ललन सिंह पटेल और सोमदत्त सिंह पटेल के नेतृत्व में किसानों और समाजवादी पार्टी आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सरकार के अध्यादेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया हालांकि प्रशासन के सख्त रवैया के कारण बंद समर्थकों का जुलूस नहीं निकल पाया जुलूस न निकलने से बिफरे कार्यकताओं ने पुलिस से नोकझोंक करते हुए जबरन जुलूस निकालने का प्रयास किया जिसके कारण पुलिस ने दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया हालांकि कुछ घण्टे के बाद सभी को बिना शर्त रिहा कर दिया। इस मौके पर ललन सिंह पटेल ने कहा कि मौजूदा सरकार किसानों नौजवानों की हत्यारी सरकार है यह उनका हक नहीं देना चाहती किसान बेरोजगारी के हालात में घुट घुट कर मरने के लिए बेबस और लाचार है कड़ाके की ठंड में भी राजधानी दिल्ली में डटे किसानों पर सरकार रहम नहीं कर रही है कहीं ना कहीं सरकार के मंसूबों में खोट है सपा नेता सोमदत्त सिंह पटेल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन के दम पर किसी भी आंदोलन को दबाना यह एक तानाशाही कदम है जिसका जवाब आने वाले दिनों में देश की जनता भाजपा सरकार को बखूबी देगी अन्नदाताओं के साथ हो रही ज्यादती से देश की जनता में भारी रोष व्याप्त है सरकार को चाहिए कि बिना किसी शर्त के किसानों के मांग को मान लेना चाहिए बंद समर्थकों के समर्थन में आए पूर्व विधायक रामकृपाल कोल ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब देश में किसानों के हित की बात करने वाली जनकल्याणकारी सरकार आएगी और किसानों का शोषण करने वालों को जनता सबक सिखाने का काम करेगी। इस मौके पर मुख्य रूप से राजेश पांडे रामानुज यादव सहादत अली मेहताब खान राधेश्याम यादव दिनेश पटेल प्रमोद मिश्र पयासी लालजी पाल निराला हरिप्रसाद पाल शिवदानी पाल पवन सिंघल नौशाद अंसारी रोहणी प्रसाद पाल हरि कृष्ण ओझा शिवदानी पाल अखंड प्रताप भास्कर पवन सोनकर मनोज शर्मा रणधीर कुशवाहा दिनेश पटेल ओमप्रकाश कुशवाहा संतलाल पाल सविता देवी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष राम किशुन सिंह को घर से ले जाती सराय इनायत पुलिस

बंद के दौरान खीरी में किसान नेताओं के बीच लोग

कोराव में सपा नेताओं व पुलिस के बीच नोकझोक

किसानों के मुद्दों को लेकर कई दलों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी (पी.) के पदाधिकारियों ने किसान आंदोलन के साथ मिलकर किया भारत बंद

खीरी। केंद्र सरकार के कृषि कानून के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन को राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी (पी.)के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति के निर्देश पर पार्टी के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के हर जिलों से किसानों के साथ मिलकर भारत बंद अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से समर्थन किया, पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉक्टर महेश चंद्रा प्रजापति ने पत्रकार वार्ता में कहा कि हमारे हजारों कार्यकताओं को तानाशाही सरकार ने राष्ट्रीय नेताओं को उनके घर में ही नजर बंद कर दिया ताकि हम लोग किसान आंदोलन को सफल न बना सके इस सरकार में आम नागरिक भी सुरक्षित नहीं है अन्नदाताओं के समर्थन में आज पूरा देश किसानों के साथ खड़ा है केंद्र सरकार की दमनकारी नीतियों ने किसानों के कुचलने के लिए तीन बिल पास किए हैं जो केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि देश के नक्शे से अन्य दाताओं को मिटाने का कार्य किया गया है।

श्री प्रजापति ने कहा की भारत एक कृषि प्रधान देश है और इसकी 70% से ज्यादा आबादी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन सरकार कृषि विरोधी कानून को पास करके किसानों को खत्म करना चाहती है यह जनतंत्र की हत्या है , सरकार ने जल्दबाजी में पास किए गए कृषि कानून खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है इस कानून से किसान तबाह हो जाएंगे और सरकार इस कानून के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने में लगी हुई है जोकि एक छलावा है यदि इस कानून को खत्म नहीं किया गया तो किसान आत्महत्या करने पर मजबूर होंगे जिसका जिम्मेदार सरकार होगी, किसान आंदोलन के समर्थन में जिस प्रकार से देश एकजुट हुआ है सरकार को एक बड़ा संकेत है कि जब जब दमनकारी नीतियां देश को कुचलने का प्रयास किए हैं तब तब एक बड़ी क्रांति की शुरूआत हुई है जो अब हो चुकी है अब यह आंदोलन किसान का ही नहीं रह गया बल्कि देश के एक-एक नागरिक का आंदोलन है किसान उगाता है तो देश खाता है लेकिन सरकार ने जो तीन बिल पास किए हैं यह तीनों बिल किसान के हित में नहीं है लिहाजा सरकार को तीनों बिल वापस लेना चाहिए

पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर विकास सिंह पटेल ने कहा कि किसानों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है चाहे वह आर्थिक समस्या हो या प्राकृतिक आपदा हो आज किसान अपनी ही फसल का उचित मूल्य ना मिल पाने के कारण आंदोलन कर रहे हैं इन किसानों को अनाज उगाने के लिए खून पसीना एक करना पड़ता है यह सरकार को क्यों दिखाई नहीं दे रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कीर्ति प्रकाश द्विवेदी जी को उन्हीं के घर में नजर बंद कर दिया गया ।उन्होंने कहा की सरकार को किसान संपन्न नजर दिखाई दे रहे हैं अगर सरकार ने बिल वापस नहीं लिया तो किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ना तय है जिससे देश की अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ सकती है सभी सरकारें किसानों की समस्या को सर्वोपरि मानती हैं लेकिन भाजपा की यह दमनकारी सरकार किसानों के हौसले को कुचलना चाहती है अगर अन्नदाताओं के हित में सरकार ने तीनों बिल को वापस लेकर राहत देने का कार्य नहीं किया तो देश का एक एक किसान आंदोलन को धार देने का कार्य करेगा और 2022 तथा 2024 में सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य किया जाएगा इस अवसर पर पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहे हरिशंकर प्रजापति मयंक राज सिंह, अनिल कुमार, अनिल कुमार विश्वकर्मा, विल्सन सिंह, अजय सिंह, राजेंद्र विश्वकर्मा, शुभम विश्वकर्मा, कैफी सुल्तान, सबीना बेगम ,धर्मेंद्र यादव, शिप्रा सिंह, हिमांशु सिंह समेत कई लोग रहे।

बंद के दौरान मेजा में सपा नेता

किसान विरोधी बिल के विरोध में निकाला किसान आंदोलन यात्रा

मेजा। विधान सभा मे केन्द्र सरकार के किसान विरोधी बिल के विरोध तथा किसानों के समर्थन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश सिंह यादव के निर्देश पर विधान सभा मेजा मे विधान सभा अध्यक्ष श्याम कृष्ण सिंह पप्पू यादव चेयरमैन नगर पंचायत सिरसा के नेतृत्व मे किसान आन्दोलन यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा चौकी -पनासा पुल से शुरू हो कर रामनगर के चिरैया मोड़ पर समाप्त हुई। यात्रा का संचालन अधिवक्ता शिव कैलाश यादव ने किया। किसानों के आंदोलन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के रचित कुमार विश्वकर्मा "नेता जी" जिलाकार्यकर्णी सदस्य ने कहा कि अन्यदाताओ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं खड़े हैं। साथ ही यह भी कहा कि भाजपा सरकार की कृषि नीतिओ के विरोध में किसानों की "आय बढ़ाओ.....खेती किसानी बचाओ" लोगो को बताया गया कि जब किसान को उनकी लागत ही नही मिल पाएगी तो वह कैसे खेती करेंगे। कृषि से जुड़े तीन नए कानून को लेकर किसान लगातार आन्दोल कर रहे हैं। भारती जनता पार्टी सरकार को शर्म से इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार किसानों को न्याय के बदले उनके हक और मांग की आवाज को पुलिस प्रशासन के द्वारा दबाया जा रहा है। जो समाजवादी पार्टी किसी भी दशा में किसान विरोधी बिल स्वीकार नही किया जाएगा। वरिष्ठ समाजवादी नेता प्रदीप पाल तथा बबलू कुशवाहा ने कहा कि किसान विरोधी बिल किसी भी दशा मे स्वीकार नही है।पूर्व ब्लाक प्रमुख महेश राज यादव तथा पूर्व जिला पंचायत सदस्य देव राज पटेल ने कहा कि जब तक सरकार किसान विरोधी बिल वापस नही लेती। तब तक किसानों के समर्थन में किसान आन्दोलन यात्रा पूरे विधान सभा मे जारी रहेगी । सरकार किसान हित में एम एस पी रेट निर्धारित करें।तथा किसान विरोधी बिल वापस लें। किसान रैली मे काशी नरेश यादव, नीरज सिंह यादव पूर्व प्रदेश सचिव लोहिया वाहनी, दिवाकर सिंह यादव एडोकेट, इंजीनियर इमितियाज अली अधिवक्तता, विजय राज सिंह यादव, शमशेर सिंह यादव, ईश्वर चन्द धनगर एडोकेट, देवेश कुमार यादव, अरविंद कुमार यादव प्रधान जी, दीपू सिंह, दिनेश कुमार निषाद सभासद सिरसा,राजकुमार विश्वकर्मा, दिलीप कुमार विश्वकर्मा, मनमोहन सिंह यादव,कपूर यादव,लवकुश विश्वकर्मा, एस पी विश्वकर्मा पूर्व प्रधान शुकुलपुर, रमेश विश्वकर्मा अधिवक्तता, संतोष विश्वकर्मा अधिवक्तता,अंशु सिंह प्रदेश सचिव युवजन सभा,विमल यादव, उदय राज यादव, नियाज अहमद, सद्दाम हुसैन, डे ओम शंकर पाण्डेय,आमोद यादव, ?राजाबाबू यादव, दीपाशुं सोनकर, डब्बू सोनकर, संदीप यादव, लवकुश यादव, अंकित यादव प्रधान, आशीष यादव सैकड़ो के संख्या से अधिक समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहें।

सपाइयों के हौसले के आगे पस्त प्रशासन

कोरांव। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर सपा कार्यकताओं ने नगर पंचायत कोरांव में पुलिस के लाख बंदिशों के बावजूद जुलूस निकालने मे सफल रहे इस मौके पुलिस सुबह से ही मुस्तैद रही लेकिन सपाइयों के हौसले के आगे पुलिस बेबस और पस्त दिखी इसके अलावा मुख्य सपा नेताओं को ताकीद के साथ साथ गिरफ्तार भी किया हालांकि कुछ ही देर में कार्यकर्ताओ के दबाव के आगे प्रशासन को नतमस्तक होकर छोड़ना पड़ा। उल्लेखनीय है रामदेव निडर कोल प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी एस सी व सोमदत्त सिंह पटेल जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में सपाइयों ने नगर में किसान विरोधी बिल के खिलाफ पद यात्रा निकाल कर विरोध जताकर देश कि राजधानी दिल्ली में चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन धरना का समर्थन किया इस मौके पर जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया गया। इस मौके पर सपा नेता निडर ने कहा कि सरकार को बिना देर किए किसान नेताओ से वार्ता कर किसान विरोधी बिल बिना शर्त' वापस लेते हुए किसानों की मांग स्वीकार करे। सपा नेता सोमदत्त सिंह पटेल ने कहा कि सरकार हर मोर्चे विफल है सरकार की दमनकारी नीतियों से त्रस्त होकर किसान भुखमरी के कगार पर पहुंच गया और वह आत्महत्या को मजबूर है। मेहताब खान कोरांव ने कहा कि जिस तरह से किसानों का समर्थन करने पर पार्टी कार्यकर्ताओ का उत्पीड़न किया जा रहा है वह नाकाबिले बर्दाश्त है। इस मौके पर मुख्य रूप से लल्लन सिंह पटेल राजेश पांडे मेहताब खान प्रमोद मिश्रा पायासी शहादत अली पवन सिंघल दिनेश पटेल हरी प्रसाद पाल नौशाद अंसारी लाल जी पाल निराला अनीता शुक्ला गुलफाम खान ओम प्रकाश कुशवाहा चित्रसेन तिवारी पवन सोनकर आदि लोग उपस्थित रहे।

किसानों के समर्थन में निकाला किसान पद यात्रा

कांग्रेसियों ने भारत बंद का किया समर्थन।

हनुमानगंज। ब्लाक बहादुरपुर के दलापुर गांव में कांग्रेसियों ने एक बैठक कर भारत बंद का समर्थन किया। उक्त बैठक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विनय दुबे की अध्यक्षता में किया गया। गत दिनों देश के किसानों और केन्द्र सरकार के बीच कृषी कानून लाएजाने को लेकर द्वंद्वयुद्ध छिड़ा हुआ है। जिसके बिरोध में मंगलवार को किसानों ने भारत बन्द का ऐलान किया है। जिसका समर्थन कांग्रेसियों ने किया है। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सदस्य विनय कुमार दुबे कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान कि केन्द्र सरकार किसानों के साथ सौतेला ब्योहार कर रही है और जो काला कृषी कानून लाया गया है उसे वापस लिया जाय और उनकी माँगे पुरी करने को लेकर सरकार से अपील की है। और कहा कि किसानों के इस आंदोलन में हर एक कांग्रेसी उनके साथ है। सरकार उनके किसानों के जमीनी माँगों को लेकर यदी अनसुना किया तो हर कांग्रेसी सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएगा। बैठक में संजय मिश्रा ,राम अभिलाष प्रजापति, गणेश दुबे, अमरनाथ भारती, रविन्द्र विश्वकर्मा ,छेदीलाल, विद्याधर शर्मा, पारस नाथ पटेल, मेवालाल पटेल ,ओम प्रकाश पांण्डेय, कमल नरायन, आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

आम आवाम किसानों के साथ

हनुमानगंज। किसान विरोधी बिल वापस करने की मांग को लेकर मंगलवार को भारत बंद के दौरान सराय इनायत थाने में बैठाए गए कांग्रेसी व सपाई तथा हंण्डिया के वर्तमान बसपा विधायक हाकिम लाल बिंद सपा के पूर्व विधायक प्रशान्त सिंह कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राम किशुन सिंह सहित करीब 25 लोगों को पुलिस ने उनके घरसे लाकर सरायइनायत थाने में बैठाया है। थाने में बैठाए गए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राम किशुन सिंह केन्द्र सरकार के खिलाफ थाने मे अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि हर किसान अन्नदाता है उसके द्वारा उत्पादन अन्नखाकर ही हम कोई कार्य करते हैं। आज उसी के साथ केन्द्र की वर्तमान सरकार किसान विरोधी बिल लाकर ताना साही पूर्ण रवैया अपना रही है। जब कि न्यायप्रणाली भी समय समय पर अपने द्वारा लिए गए फैसले को बदल देता है। लेकिन सरकार के इस तानाशाही रवैइए से आज पूरा आम आवाम किसानों के साथ है।

भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नरेंद्र सिंह

भड़ेवरा से भटौती तक मोटर साइकिल यात्रा निकाल, किसान आन्दोलन का किया समर्थन

मेजा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर भाजपा सरकार की कृषि नीतियों के विरोध में और किसानों के आंदोलन के समर्थन में सपा के पूर्व प्रदेश सचिव वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आज भड़ेवरा से भटौती तक मोटर साइकिल यात्रा निकाली गयी ' सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकताओं ने सोमवार सुबह 11बजे मोटर साईकिल में पार्टी का झण्डा लगाए समाजवादीपार्टी जिन्दाबाद, मुलायम सिंह यादव जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद, जय जवान जय किसान। अन्नदाता हैं किसान, किसानों की आय बढ़ाओ। खेती किसानी बचाओ, किसान बिल काला कानून वापस लो, केंद्र सरकार मुदार्बाद आदि नारे लगाते हुए लगभग 15 किलोमीटर की यात्रा निकाली ' रास्ते भर भाजपा सरकार की कृषि नीतियों के चलते किसानों, गरीबों, कमजोर वर्ग के लोगों को भविष्य में होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करते हुए एवं भारत बन्द को सफल बनाने की अपील करते हुए सपाईयों का हुजूम पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा ' मोटर साईकिल किसान यात्रा भड़ेवरा से प्रारंभ होकर इलाहाबाद मिजार्पुर मुख्य मार्ग से होते हुए मेजारोड बाजार तथा नवीन कृषि मण्डी पहुँच कर सभा मे तब्दील हो गई। फिर मण्डी से रवाना होकर मेजारोड कोहड़ार होते हुए भटौती मे समापन किया गया। ग्रामीणों एवं किसानों ने जगह जगह मोटर साइकिल किसान यात्रा का स्वागत एवं समर्थन किया। यात्रा की समाप्ति पर सपा नेता नरेंद्र सिंह ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा शासन में सर्वाधिक किसानों, गरीबों, कमजोर वर्ग के लोगों को आर्थिक चोट मिली है ' किसानों की आय दुगुना करने के नाम पर उन्हें छला गया है ' आज किसान अपनी धान और गेहूं की लागत मूल्य नहीं पा रहा है ' क्रय केन्द्रों पर दलालों के बोलबाला के चलते बिचौलियों के हाथों औने पौने दाम पर बेचने को मजबूर किसान हताश और निराश है ' श्री सिंह ने कहा कि यह यात्रा किसानों के आंदोलन के समर्थन में लगातार चलती रहेगी ' यदि पुलिस और प्रशासन सपा नेताओं और कार्यकताओं को अनावश्यक रोंकने की हिमाकत करेगा तो सड़क सपामय हो जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। इस यात्रा मे सर्व श्री आशीष कुमार यादव, भोला पाल, हिमान्शु कुमार सिंह, अरविंद यादव, डाक्टर सुरेन्द्र यादव, शिवानन्द शुक्ल, अनुभव तिवारी, हरिशंकर पाल, नितिन मिश्रा, पारष निषाद, अशर्फी पाल, लवकुश यादव, पंकज यादव, राजेश शर्मा, मुन्नन शर्मा, प्रकाश शर्मा, मोहित, अंकित, अतुल सिंह, शिवम सिंह, दीपक शर्मा, रोहित शर्मा, सतीश विश्वकर्मा, आकाश शर्मा, अमन, विमल भारतीय, चंचल, दशरथ कुश्वाहा, अशोक यादव, राज गौरव, दीपक वर्मा, शिव बहादुर कुश्वाहा, सुरेश जैसल, अब्दुल शरीफ, दीप नारायण , प्रमोद पाल सहित सैकडों मोटर साइकिल सवार रहे।

सपाइयों ने किसानों के आंदोलन की हौंसलाफजाई कर जुलूस निकालते हुए

परिषदीय विद्यालयों में हुआ विद्यालय प्रबंध समितियों का गठन

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ के परिषदीय स्कूलों में सोमवार को अभिभावक और अध्यापकों की संयुक्त बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया। उच्चाधिकारियों के आदेश पर आयोजित इस गठन में प्रबंध समिति ने विद्यालयों के उन्नयन को लेकर अपने विचार भी रखे। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय कठहा में अभिभावक व अध्यापकों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से राजू प्रजापति को अध्यक्ष, मनीषा को उपाध्यक्ष एवं अरुण कुमार त्रिपाठी को सचिव चुना गया। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय मौहरा में सुनील कुमार त्रिपाठी को अध्यक्ष, कविता देवी उपाध्यक्ष तथा प्रमिला पांडेय को सचिव चुना गया। जबकि प्राथमिक विद्यालय छिपिया में बैठक के समय मोना देवी को अध्यक्ष एवं धीरेंद्र नारायण मिश्र को सचिव चुना गया। इसी तरह क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में समितियों का गठन किया गया, साथ ही विद्यालय में समिति के ग्यारह सदस्यों का भी चुनाव हुआ। इस दौरान स्कूलों में दर्जनों अभिवावक मौजूद रहे।

शंकरगढ़ के परिषदीय विद्यालय में अभिभावक व अध्यापकों का बैठक करते

टमाटर की ग्रीष्म ऋतु की फसल की पौधशाला तैयार करें किसान

नैनी। सैम हिग्गिन बॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से मंगलवार को प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी है कि टमाटर की ग्रीष्म ऋतु की फसल की पौधशाला तैयार करें, टमाटर और मिर्च में झुलसा रोग से बचाव के लिए मैकोजेब 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। प्याज मे खरपतवार नियत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद पेन्डीमेथेलीन की 3.3 लीटर मात्रा 1000 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें। आलू की देर से बोआई कि गयी फसल में 25 दिन बाद 87-108 किग्रा यूरिया की टाप डेजसिंग करके मिट्टी चढ़ा दें। मटर में 35-40 दिन बुआई के बाद सिचाई करें। गेंहूँ की प्रथम सिचाई ताजमूल अवस्था पर बुआई से 20-25 दिन पर करें। बरसीम की बोआई के 45 दिन बाद पहली कटाई करें फिर हर 20-25 दिन बाद कटाई करते रहें।

खेलकूद के आयोजन से समाज में बढ़ता है प्रेम और भाईचार

टूर्नामेंट का फीता काटकर उद्धाटन करते मुख्य अतिथि

उत्तराव। उतरांव थाना क्षेत्र के घाटमपुर गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जीपीएल घाटमपुर प्रीमियर लीग टूनामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा नेता जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी ने फीता काटकर क्रिकेट उद्घाटन करते हुए कहा कि खेलकूद के आयोजन से समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। गांव में छिपी प्रतिभाओं का निखार भी होता है। खिलाड़ियों को सीख देते हुए उन्होंने कहा कि कभी भी हार से निराश नहीं होना चाहिए। खेल को खेल के तरीके खिलाड़ियों को खेलने की जरूरत है। उद्घाटन के बाद इनायतपट्टी और बेला के बीच मैच खेला गया। इनायत पट्टी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। बड़ी मशक्कत के बाद जीत दर्ज कर ली।निर्णायक दिलशाद अली मोहम्मद सऊद की निगाहें टिकी रही। लगातार फैसला सुनाने में जुटे हुए उपस्थित दर्शकों ने जमकर मजे लिए।इस अवसर पर मुसलिन मोहम्मद सऊद मोहम्मद बिलाल शरीफ साहिल नवाब सिकंदर दिलशाद अली जीसान शादाब सरताज अली फरमान गोलू आदि लोग पूरा सहयोग में जुटे रहे।

सेंध लगाकर हजारों की चोरी

उतरांव। उतराव थाना क्षेत्र के मदार्पुर गांव में अज्ञात चोरों ने दीवाल में सेंध लगाकर शराब की कई पेटियां समेत कमरे में रखे अन्य सामान को उड़ा ले गए।हण्डिया थाना क्षेत्र के बजहा मिश्रान निवासी निलेश त्रिपाठी जो मदार्पुर गांव में शराब की लाइसेंसी दुकान खोल रखे हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने दीवाल में शेध लगाकर कमरे के अंदर घुस गए अंदर रखे कई शराब की पेटियां तथा कैमरा हार्ड डिक्स इनवर्टर एलइडी चोरों ने उड़ा ले गए। ठीकेदार ने बताया कि कमरे से लगभग लाखों की चोरी हुई है।ठीकेदार निलेश ने उतरांव थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

संक्षेप समाचार

करछना थाने में हिरासत में लेकर बैठाए गए सपा, काग्रेस, आप पार्टी के कार्यकर्ता

करछना। करछना युवा कांग्रेस प्रयागराज के कार्यकर्ताओ ने करछना के रामपुर चौराहे पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में किसानो के समर्थन में गुलाब का फूल देकर दुकाने बंद करने का निवेदन किया. जिसको दुकानदार, व्यवसायी समर्थन करते हुए दुकाने बंद किया. इस बीच चौकी इंचार्ज आकर रोकने लगे, जिस पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी ने कहा की हम तो किसानो के समर्थन के लिए गुलाब दे रहे, इस पर क्या आपत्ति है, तो पुलिस कर्मी धारा 144 का हवाला देने लगे। हालांकि कार्यकर्त्ता बावजूद इसके काफी समर्थन लेने में कामयाब रहे, गंगापार अध्यक्ष जीशान अहमद और सहजादुल हक ने दुकानदारों को किसान बिल के विरोध का कारण समझाया, और बताया की टरढ न होने से किसान का घाटा है. विधानसभा अध्यक्ष अमजद अंसारी और ब्लॉक अध्यक्ष सैफी ने लोगो को गुलाब दिया. भारत बंद के समर्थन में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी प्रांजल केशरवानी, जिला सचिव आलोक शुक्ला,इन्द्रकांत शुक्ला, सुल्तान, बंटू यादव, धर्मेंद्र, प्रियम मिश्रा, सलमान, अमन, छोटू विश्वकर्मा, आदि थे।

सोरांव में सड़क हादसे में मजदूर की गई जान

सोरांव। सोमवार को देर रात बोलरो ने पैदल सड़क पार कर रहे एक युवक को टक्कर मार दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। युवक की मौत की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मचा रहा। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि सोरांव इलाके के बेचू का पूरा गांव निवासी सुनील कुमार पटेल उम्र 35 वर्ष पुत्र राम नरेश पटेल घर पर रहकर मजदूरी करता है। सोमवार देर सायं काल वह गांव के समीप सड़क पार करते समय बारात जा रही बोलेरो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। घटना की खबर पाकर परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने घायल सुनील कुमार पटेल पुत्र रामनरेश को मृत घोषित कर दिया। जिसकी खबर गांव में पहुंची तो परिजन भी रोते बिलखते मौके पर पहुंचे जहां परिजनों का रो रो कर बुरा हाल रहा। घटना के बाद पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

घटनास्थल पर एकत्रित भीड़ व पुलिस की गाड़ी।

सड़क हादसे में बाइक सवार गंभीर

लालापुर ।क्षेत्र के अमिलिया मोड़ के समीप मंगलवार शाम लालापुर से अमिलिया रोड की तरफ से आ रहे बाइक सवार निहाल पाण्डेय, शिव अवतार तिवारी,अनिल शुक्ला,छोटन तिवारी, अमिलिया की तरफ से आ रही आमने सामने बाइक अनियंत्रित हो गयी और आपस में जा टकराई जिससे निहाल गंभीर रूप से घायल हो गया ।राहगीरों की सूचना पर पंहुचे थानाध्यक्ष लालापुर अमित राय ने प्राथमिक उपचार करने के लिए भेज दिया गया।

बाइक से गिरकर दो युवक घायल, भर्ती

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के विद्युत रचना इकाई के समीप मंगलवार को बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय एक अस्पताल में दाखिल कराया गया है।मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी अमित कुमार पटेल मुंबई स्थित स्टील कारखाने में बतौर प्राइवेट कर्मचारी के रूप में तैनात हैं। बीते कुछ दिन पूर्व वह परिवार में शादी समारोह में शामिल होने के लिए मुंबई से आया हुआ था। मंगलवार शाम को अमित पटेल अपने चचेरे भाई रिंकू पटेल के साथ बाइक द्वारा मुंबई जाने के लिए छिवकी रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। जैसे ही नैनी कोतवाली क्षेत्र के विधुत रचना इकाई के समीप पहुंचे तो पीछे बैठे अमित पटेल का जैकेट सड़क के बीच में बने लोहे की रेलिंग में फंस गया। जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में राहगीरों ने एक मैजिक वाहन ने दोनों घायलों को लाद फांद कर स्थानीय एक अस्पताल में पहुंचे और इलाज के लिए दाखिल कराया।

देह व्यापार की रोकथाम के लिए विशेष अदालतें बनाने पर जवाब तलब : हाई कोर्ट

प्रयागराज। अनैतिक देह व्यापार निरोधक कानून को और सख्ती से लागू करने के लिए विशेष अदालतों की संख्या बढ़ाने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यह मामला देह व्यापार की रोकथाम और इससे जुड़े लोगों के पुनर्वास की दिशा में काम कर रही संस्था गुड़िया ने जनहित याचिका के माध्यम से उठाया है। याचिका की सुनवाई 18 जनवरी को होगी। याचिका पर मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर तथा न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ सुनवाई कर रही है। याचिका पर अधिवक्ता राज कुमार केशरी ने बहस की। याची का कहना है कि कोविड 19 प्रतिबंधों के बावजूद देह व्यापार बढ़ता जा रहा है। अदालतों की कमी के कारण आरोपियों को सजा नहीं हो पा रही है। याचिका में संस्था के रिसर्च सहित सरकारी दस्तावेजों का सहारा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है और कहा गया है कि कोर्ट की कमी के चलते उचित कदम उठाने मे देरी हो रही है। मामले में कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है।

थाने आने के बाद आरोपी रोने लगा

नशा उतरने के बाद थाने में रोने लगा पत्नी का हत्यारोपी

प्रयागराज। कटरा में महिला की हत्या के आरोप में पकड़ा गया उसका पति नशा उतरने के बाद थाने में फफक फफक कर रोने लगा। सोमवार को कर्नलगंज पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वह चापड़ बरामद कर लिया जिससे उसने अपनी पत्नी की हत्या की थी। बताया जा रहा है कि वह पुलिस से अपनी गलती मान रहा था और बार-बार यही कह रहा था कि नशे में गलती कर बैठा। गौरतलब है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक महिला छात्रावास में काम करने वाले मधु अपने पति उमेश चंद के साथ कटरा स्थित मायके में रहती थी। उसका पति पहले ई रिक्शा चलाता था। नशे के आदी उमेश से अक्सर पत्नी से विवाद होता था। बताया जा रहा है कि रविवार को भी उनके बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान उमेश ने चापड़ से पत्नी पर हमला कर दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने मोहल्ले वालों की मदद से हादसा बताने की कोशिश की लेकिन चोट के निशान देखकर मोहल्ले वालों ने आरोपी उमेश की पिटाई कर दी और उसे पुलिस को कॉल करके गिरफ्तार करवा दिया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 को

प्रयागराज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनपद न्यायालय व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 दिसम्बर को पूर्वान्ह 10 बजे से उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इलाहाबाद के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में दिनांक 12.12.2020 को प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, राजस्व संबंधी, बैंक के ऋण संबंधी वाद, विद्युत संबंधी वाद, फौजदारी वाद व आपसी सुलह समझौते के आधार पर होने वाले समस्त वादों का निस्तारण किया जाएगा। आप सभी जनमानस से यह अपेक्षा की जाती है कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए व माननीय हाईकोर्ट के दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए अधिकाधिक करें, जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक संपादन किया जा सके। सभी जनमानस को यह भी सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु श्रीमती निशा झा नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता में व श्री चंद्रमणि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की उपस्थिति में समस्त बैंको, दूरसंचार, राजस्व विभाग न्यायिक मजिस्ट्रेट इत्यादि से बैठक आयोजित कर अधिकाधिक वादों के निस्तारण हेतु विचार विमर्श किया जा चुका है।

अज्ञात कारणों से लगी आग में धू-धूकर जलता फसल व गृहस्थी का सामान

अज्ञात कारणों से लगी आग, चार बकरी के बच्चे सहित गृहस्थी के समान जलकर खाख

मेजा। मेजा क्षेत्र के तिगजा गांव मे अज्ञात कारणों से लगी आग से पुआल सहित एक बीघे धान की फसल सहित गृहस्थी का सामान व तीन बकरियों के बच्चों की जलकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेजा क्षेत्र के तिगजा गांव मे आशिकराम पाल के यहां दोपहर में अज्ञात कारणों से आग लग जाने से पुआल सहित धान की 1 बीघे की फसल व कुछ गृहस्ती का सामान सहित तीन बकरियों के बच्चे की जलकर मौत हो गई। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की कर्मचारी मौके पर पहुंचे आग बुझाए। नहीं तो और ही बड़ा हादसा हो सकता था। गरीब परिवार को इस घटना से परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। वही जैसे ही इस दुखद समाचार समाजवादी पार्टी के युवा नेता रचित कुमार विश्वकर्मा जिलाकार्यकर्णी सदस्य को हुई मोके पर पहुँचकर दुखिद परिवार वालो का ढाढ़स दिए कि हम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ आपके साथ इस मुसीबत की घड़ी में खड़े हैं।

हॉस्पिटल अक्षयवट एवं ट्रामा सेंटर में फिजियोथैरेपी विभाग का हुआ उद्घाटन

नैनी। पीडीए कॉलोनी स्थित हॉस्पिटल अक्षयवट एवं ट्रामा सेंटर में मंगलवार को फिजियोथेरैपी विभाग का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉः आरपी पांडेय ने किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि फिजियोथेरैपी की मदद से हड्डियों से संबंधित बीमारियों के इलाज आसान हो जाएगा। डॉः केके शुक्ला ने कहा कि फिजियोथैरेपी से नसों से संबंधित एवं स्पोर्ट से जुड़े लोगों की इन्सयुरि के इलाज में यमुनापार के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान डॉः आलम व डॉः सुमित तिवारी ने बताया कि कोरोना से ठीक हुए लोगों के फेफड़ों में नई ऊर्जा भरने का कार्य फिजियोथैरेपी करेगा। इस मौके पर संजय अग्रवाल, धीरज, अमन,पवन कुमार, अखिलेश मिश्र समेत कई लोग मौजूद रहे।

फीता काटकर उद्घाटन करते मुख्य अतिथि

डीएम ने बड़गांव ग्राम प्रधान का वित्तीय व प्रशासनिक खाता किया सीज

उतराव। उतरांव थाना क्षेत्र के बड़गांव गांव के ग्राम प्रधान का जिलाधिकारी ने दोषी पाए जाने पर 7 दिसंबर को वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारों को सीज करते हुए वीडियो सैदाबाद को पत्र भेजकर अवगत कराया।बड़गांव गांव निवासी राम आसरे मौजी लाल पंकज मिश्रा द्वारा ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को लिखित सूचना देते हुए जांच की मांग की थी। जिसकी जांच 20 अक्टूबर को भारी पुलिस बल के साथ उप जिलाधिकारी पहुंचे।जहां दोषी पाए गए। प्रधान द्वारा 23 अक्टूबर को स्पष्टीकरण दिया गया जिसमें प्रधान के दोषी पाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को छीन लिया गया।

दुल्हन का रंग सांवला होने का आरोप लगा कर दूल्हा भागा, गिरफ्तार

मऊआइमा। वधू का रंग सांवला होने का आरोप लगा कर वर भाग निकाला। धीरे धीरे बाराती भी भागने लगे। यह नजारा देख कर वधू पक्ष ने वर के परिजनों को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वर पक्ष को पकड कर थाने में बैठा लिया।बाद में दबाव बनने पर भागा हुआ दूल्हा थाने आया।पुलिस ने उसे भी बैठा लिया है। दोनों पक्षों के बीच सुलह समझौता की बात चल रही है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बांकाजलालपुर निवासी भोला यादव की पुत्री की शादी प्रतापगढ़ के थाना फतनपुर के ग्राम सुरवा मिश्रपुर निवासी दिनेश कुमार पुत्र रामबरन के साथ तय हुई थी। बताया गया है कि बारात सोमवार को आयी । तमाम रस्में पूरी होने के बाद जब भोजन करने का समय आया तो अन्य बाराती तो भोजन कर लिए। परन्तु दूल्हा बने दिनेश कुमार एक बाराती की बाइक लेकर धीरे से भाग निकला।वधू पक्ष वर को तलाशते रहे परन्तु वह नहीं दिखा। धीरे धीरे बाराती भी भागने लगे। यह नजारा देख कर वधू पक्ष ने वर पक्ष के परिजनों को पकड कर बैठा लिए। मामला पूछने पर बताया गया कि जो लडकी हमें देखायी गयी थी ।.वह नहीं है यह सांवली है । सूचना पर पहुंची पुलिस ने वर पक्ष को थाने उठा लायी । बाद में वर भी थाने में आ गया और बोला कि लडकी का रंग सांवला है वह शादी नहीं करेगा। तब वधूपक्ष ने शादी में हुए खर्च का तीन लाख अस्सी हजार मांगने लगे। दोनों पक्ष मामला तय करने पर लगे हुए थे। इंस्पेक्टर मऊआइमा राम केवल पटेल का कहना है कि वधू पक्ष यदि तहरीर देगा तो मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। वधू पक्ष को पैसा मिलने पर जब सुलहनामा मिलेगा तो वर और उसके परिजनों को छोड दिया जाएगा।

चेन छिनैती कर रही महिलाओं का गैंग पुलिस की गिरफ्त में

हंडिया। ससुराल से मायके शादी में जा रही महिला की चेन महिलाओं के एक गैंग ने घेरकर पार कर दी। घटना शाम की है। घटना में शामिल महिलाओं से पुलिस पूछताछ कर रही है। सैदाबाद के मनापुर गांव की निर्मला देवी पत्नी अशोक गुप्ता अपने पति व लड़के के साथ शादी में शामिल होने के लिये अपने ससुराल से मायके सीतामढ़ी जा रही थी। सैदाबाद से जैसे ही टाटा बस में बैठने के लिए चढ़ने लगी पिछे से टाटा बस में चार महिलाये निर्मला को घेरकर खड़ी हों गई। एक महिला ने मौका देखकर निर्मला की चेन पार कर दी। चेन उतारते समय पिड़ित कों घटना एहसास हुआ तो वह गर्दन से जंजीर गायब होने पर शोर मचाने लगी । शोरगुल सुनकर एक महिला गाड़ी से उतरकर भागने लगी। शोर सुनकर स्थानीय लोगों समेत गाड़ी में सवार अन्य लोगों ने चारों महिलाओं को पकड़ लिया और।हंडिया पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ी गई महिलाएं अपना नाम रीता, गीता, रीना, रीमा देवी निवासी सैदपुर गाजीपुर बताया। मामले में पुलिस महिलाओं सें पूछताछ कर रही है। देर शाम तक पिड़ित निर्मला देवी पति अशोक कुमार व लड़का दीपक थाने पर मौजूद रहे।

तीन सौ रुपये में छात्र देख सकेंगे उत्तर पुस्तिका

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) से पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। परीक्षा में मिले अंक से असंतुष्ट छात्र अपनी कापियों को देख सकते हैं और दोबारा मूल्यांकन करा सकते हैं। मुविवि एवं पीआरएसयू के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था दोनों विवि में लागू कर दिया गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि यदि उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन से छात्र असंतुष्ट हैं तो तीन सौ रुपये शुल्क के साथ आवेदन कर कापी देख सकते हैं। इसके बाद उस कांपी का मूल्यांकन दूसरे विशेषज्ञ से कराया जाएगा। यदि दोनों के मूल्यांकन में 20 फीसदी अंक का अंतर आता है तो छात्र का संशोधित रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसके साथ ही जिस शिक्षक ने मूल्यांकन किया है उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है।

माफिया दिलीप मिश्रा का छात्रावास तोड़ने के मामले में पीडीए से जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्र की पत्नी अर्चना मिश्रा का नैनी यूनाइटेड कालेज के सामने स्थित छात्रों के हास्टल के ध्वस्तीकरण मामले में प्रयागराज विकास प्राधिकरण व राज्य सरकार से जवाब मांगा है।याचिका की अगली सुनवाई 13जनवरी को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल तथा न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने अर्चना मिश्रा की याचिका पर दिया है।

याची के अधिवक्ता लोकेश कुमार द्विवेदी का कहना है कि अवैध बताकर ध्वस्तीकरण से पूर्व पी डी ए ने इस संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया। और न ही ध्वस्त करने का आदेश पारित किया। याचिका में

प्रशासन पर दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया है। याची का कहना है कि एरिया में कई अवैध निर्माण है।उनपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। केवल याची के विरूद्ध राजनैतिक विद्वेष के चलते कार्रवाई की जा रही है।

नैनी में नहीं दिखा भारत बंद का असर

नैनी। पहले से आयोजित भारत बंद का असर मंगलवार को नैनी क्षेत्र में नहीं दिखा, वहीं इसके समर्थन में उतरे समाजवादी पार्टी के विधायक समेत 67 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिए। जबकि विभिन्न राजनैतिक दलों से जुड़े तीन लोगों को पुलिस ने नजर बंद कर रखा था। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को पहले से आयोजित भारत बंद को सफल बनाने के लिए विभिन्न ने राजनैतिक पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने कमर कसे हुए थे, लेकिन नैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत इलाकों में भारत बंद का असर नहीं दिखा। समाजवादी पार्टी के करछना विधायक उज्जवल रमण सिंह अपने कई कार्यकताओं के संग करछना जाते समय नैनी के पुराने पुल के समीप पुलिस ने उन्हें रोक लिया और समर्थकों संग उक्त विधायक को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिए। जबकि इसी प्रकार प्रगतिशील पार्टी के प्रदेश सचिव शमशाद अहमद, आप पार्टी के जिला अध्यक्ष अल्ताफ अहमद व कृति प्रकाश द्विवेदी को पुलिस ने उन्हीं के घर में नजरबंद कर रखा था। साथ ही क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे और करछना एसडीएम विनोद कुमार पांडेय, करछना सीओ सोमेंद्र मीणा, नैनी इंस्पेक्टर जीतेंद्र कुमार सिंह व एसएसआई राम आशीष यादव समेत कई दारोगा क्षेत्र में गस्त करते रहे।

नैनी में बंद के दौरान प्रदर्शन करते हुए

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0ः UPHIN2001/9025

एनएसयूआई ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय कैम्पस में भारत बंद का किया समर्थन जिलाध्यक्ष समेत कई लोग हुये गिरफ्तार

प्रयागराज। एनएसयूआई प्रयागराज ने किसानों के भारत बंद समर्थन में सर्वप्रथम इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कैंपस में बैनर पोस्टर लिए नारे लगाते हुए कैम्पस में विभागों में जाकर सभी छात्रों को किसान विरोधी नए कृषक बिल काले कानून के बारे में जागृत किया,कैम्पस में पर्चा वितरित किया गया साथ ही जब छात्र विश्वविद्यालय मार्ग की ओर निकले तभी इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ भवन पर तैनात भारी पुलिस बल ने बलपूर्वक छात्रों का को गिरफ्तार कर लिया व उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने कहा कि हम किसान पुत्रों से सरकार चाहे जितनी भी तानाशाही कर ले,किसानों के साथ इस लड़ाई में पूरा युवा व छात्र सम्मिलित है। गिरफ्तारी देने वालों में प्रयागराज एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर,हरिकेश हैरी,सत्यम कुशवाहा, अभिषेक द्विवेदी, अभिषेक सिंह,वीरेंद्र यादव आदि रहे।

छात्रवृत्ति हेतु पात्र छात्र-छात्राएं निर्धारित तिथि के अंदर करें आवेदन

प्रयागराज। छात्रवृत्ति हेतु पात्र छात्र/छात्राएं शासन द्वारा निर्धारित तिथि के अन्दर ऑनलाइन आवेदन पत्र भर कर हार्ड कॉपी सम्बन्धित शिक्षण संस्था में करें जमा ' जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी इन्द्रसेन सरोज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि वर्ष 2020-21 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के लिए ऑन-लाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि शासन द्वारा निर्गत समय-सारिणी के अनुसार दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 निर्धारित की गयी है। अतः जनपद में अध्ययनरत पात्र छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि शासन द्वारा निर्धारित तिथि के अन्दर ऑनलाइन आवेदन पत्र छात्रवृत्ति की वेबसाइट पर भर कर हार्ड कॉपी सम्बन्धित शिक्षण संस्था में जमा करें। यदि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर पात्र छात्र/छात्राओं द्वारा आवेदन पत्र नहीं भरा जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित छात्र/छात्राओं की होगी।

मनोज तिवारी की सुरक्षा पर निर्णय लेने का हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अल्लापुर प्रयागराज निवासी मनोज तिवारी को पुलिस सुरक्षा दिए जाने पर नियमानुसार निर्णय लेने का आदेश दिया है। याची मनोज ने बच्चा पासी गैंग से अपनी जान का खतरा बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा दिलाए जाने की मांग की गई थी। याचिका पर न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्र और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने सुनवाई की। याची के अधिवक्ता सुनील चौधरी का कहना था कि अल्लापुर में गत वर्ष हुए सचिन सोनकर हत्याकांड में बच्चा पासी गैंग पर हत्या करने का आरोप है। सचिन सोनकर ने याची को इस बारे में बताया था कि बच्चा पासी गैंग उसकी हत्या की प्लानिंग कर रहा है।अधिवक्ता का कहना था कि याची पर गोलियां चलाई गई थी मगर वह बच गया था। उसने जार्जटाउन थाने में हत्या के प्रयास की प्राथमिकी भी दर्ज करवाई है। याची को तत्कालीन एसएसपी के मौखिक निर्देश पर अगस्त 2019 में एक सुरक्षा गनर दिया गया था। जिसे मार्च 2020 में वापस ले लिया गया। हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि याची के प्रत्यावेदन पर जिला स्तरीय सुरक्षा समिति चार सप्ताह में निर्णय ले।

संक्षेप समाचार

मनाया गया शसस्त्र सेना झण्डा दिवस

कौशाम्बी। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी 07 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में सोमवार को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने जिलाधिकारी को झण्डा प्रतीक चिन्ह लगाया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने दान पात्र में दान दिया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रियाज अहमद श्रीधर मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दहेज पीड़ित महिलाओं की मदद को बजट आवंटित

कौशाम्बी। शासन द्वारा दहेज से पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं कानूनी सहायता दिये जाने हेतु जिनका मुकदमा दहेज अधिनियम के तहत दर्ज हो अथवा न्यायालय में चल रहा हो को आर्थिक सहायता एवं कानूनी सहायता हेतु शासन द्वारा बजट आवंटित किया गया है ।दहेज से पीड़ित महिलायें अपना आवेदन पत्र जिला प्रोबेशन कार्यालय विकास भवन में जमा कर योजना का लाभ ले सकती है उक्त जानकारी राजनाथ राम जिला प्रोबेशन अधिकारी कौशाम्बी ने दी है

विधवा की पुत्रियों की शादी हेतु बजट आवंटित

कौशाम्बी। शासन द्वारा पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही महिलाओं की पुत्रियों की शादी हेतु बजट आवंटित किया गया है। अतः इस हेतु अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र जिला प्रोबेशन कार्यालय विकास भवन कौशाम्बी में जमा कर योजना का लाभ उठा सकते हैं उक्त जानकारी राजनाथ राम जिला प्रोबेशन अधिकारी,कौशाम्बी ने दी है

विधवा महिला को पुरस्कार हेतु आवंटित हुआ बजट

कौशाम्बी। शासन द्वारा विधवा महिला जिसकी उम्र 35 वर्ष से अधिक न हो से विवाह करने वाले पुरूष को दम्पत्ति पुरस्कार के रूप में 11000/- रू0 पुरस्कार दिये जाने हेतु बजट आवंटित किया गया है। इस हेतु अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र जिला प्रोबेशन कार्यालय विकास भवन कौशाम्बी में जमा कर योजना का लाभ लाभार्थी उठा सकते हैं उक्त जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी कौशाम्बी राजनाथ राम ने दी है।

सड़क हादसे में दो घायल

कल्यानपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कल्याणपुर हाईवे के डिवाइडर के बगल में बुलेट व साइकिल की भिड़ंत से बुलेट सवार वा साइकिल सवार गंभीर हालत में घायल हो गए है घायल बुलेट सवार राधे राधे मिष्ठान भंडार टेडी मोड़ के निवासी है ।एवम् साइकिल सवार कसिया पश्चिम के पतरी बनाने वाले बताए जाते है।

घर में घुसकर मारपीट एवं छिनैती

कौशांबी। महेवा घाट थाना क्षेत्र हटवा अब्बास पुर गांव में दबंगों ने एक दलित के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट किया आरोप है कि मारपीट के दौरान जेब में रखा ग्यारह सौ रुपए भी दबंगों ने छीन लिया है पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है लेकिन पुलिस ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। कुछ लोगों से मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार की शाम दो लोग घर पहुंच कर दबंग लोगों ने उसके घर में घुसकर मारपीट किया। जेब में रखा रुपए छीन लिया पीड़ित पक्ष का कहना है कि दोनों लोगों ने मारने की कोशिश की है ।

कौशाम्बी में किसान आंदोलन बंद पूरी तरह फ्लॉप

भरवारी मंझनपुर सिराथू सराय अकिल करारी पश्चिम शरीरा अझुवा पुरामुफ्ती मनौरी सहित विभिन्न बाजार पूरी तरह से खुली रही

कौशांबी। किसानों पर बनाए गए भारत सरकार के कानून के विरोधमे किसानों द्वारा 8 दिसंबर को भारत बंद का आवाहन किया गया था लेकिन कौशांबी जिले के विभिन्न बाजारों में भारत बंद का असर नहीं दिखाई पड़ा है चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान सुरक्षा को लेकर तैनात किए गए हैं जिससे विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा बंदी का समर्थन किए जाने के बाद भी वह किसी की दुकान जबरिया नहीं बंद करा सके पूरे दिन भरवारी मंझनपुर सिराथू सराय अकिल करारी पश्चिम शरीरा अझुवा पुरामुफ्ती मनौरी सहित विभिन्न बाजार पूरी तरह से खुली रही। किसान आंदोलन में बंदी की घोषणा के बाद भी सामान्य दिनों की तरह बाजारों में व्यापारियों ने व्यापार किया है टैक्सी यूनियन वालों ने भी किसान आंदोलन की बंदी में हिस्सा नहीं लिया है कौशांबी जिले में बंदी पूरी तरह से फ्लाप रही है कुछ संगठन के लोगों ने किसान आंदोलन की बंदी को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। भारत बंद की घोषणा के बाद सुबह से ही जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक सक्रिय रहे हैं पूरे जिले में जबरिया बाजार बंद कराए जाने वालों को चिन्हित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किए गए थे जिससे व्यापारियों की दुकानें जबरजस्ती बंद कराए जाने वाले विभिन्न दल के राजनीतिक लोग अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके हैं और व्यापारियों ने किसान आंदोलन की इस बंदी का समर्थन नहीं किया है।

भारत बंदी के दौरान पुलिस से झड़प करते सपाई

सुरक्षा को लेकर मुश्तैद पुलिस के जवान

भारत बंद की घोषणा के बाद भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष नजरबंद

करारी कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र में पुलिस मुस्तैदी से सड़क पर खड़ी रही और सड़क से गुजरने वाले प्रत्येक वाहनों के जांच पड़ताल तलाशी अभियान पूरे दिन सड़कों पर चलता रहा जिले को पूरी तरह से पुलिस प्रशासन ने सील कर दिया था धरना प्रदर्शन आंदोलन चक्का जाम और पुतला फूंके जाने की संभावना से पूरे जिले के पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद जिससे भारत बंद का असर नही दिखा। किसान के समर्थन में मंगलवार को कई पार्टियों ने बंद का एलान किया था जिसमे सपा के कार्यकर्ता सोमवार को हिरासत में लिए गए थे ।मंगलवार को करारी कस्बे व आस पास किसी भी स्थानों पर किसान समर्थन में विरोध प्रदर्शन देखने को नही मिला करारी पुलिस की सक्रियता से भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष लाल जी को रात में ही हिरासत में ले लिया गया था। पूर्व में रहे भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सख्ती प्रकाश को भी हिरासत में लिया गया करारी क्षेत्र में भारत बंद का असर नही रहा।

घर में नजरबंद कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष

कांग्रेस पूर्व जिला अध्यक्ष सहित कई नजर बद

कौशाम्बी। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व प्रत्यासी विधानसभा चायल तलत अजीम को किसान आन्दोलन के चलते घर पर ही पुलिस ने नजर बन्द कर दिया उनके घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया गया मैं घर से निकलने की रोक दिया गया इशिता जिले की और कई विपक्षी दल के नेताओं को घर में ही नजरबंद कर दिया गया है। नजरबंद किए जाने के बाद कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष तलत अजीम ने कहा यह योगी मोदी की तानाशाही है और वह किसानों की आवाज दबाना चाहती है लेकिन किसी की हिटलर शाही और अत्याचार ज्यादा दिन नहीं चलती है आने वाले समय में जनता उनको जवाब देगी तलत ने कहा कि मोदी योगी की इस तानाशाही रवैये से मुझे मेरे घर पर शासन और प्रशासन के लोगों द्वारा नजरबंद कर दिया गया है ताकि इस तानाशाही सरकार के खिलाफ कोई भी कांग्रेस का सिपाही इस कृषि काले कानून के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन न कर सके। तलत ने कहा कि मै मोदी और योगी से कहना चाहता हूँ कि आखिर क्यों सभी कांग्रेस सिपाहियों को नजरबंद किया जा रहा है जब आपका यह कृषि कानून बिल किसानों के लिए अच्छा है तो क्यों इतना डर रहे हो उन्होंने कहा कि जनता आपसे जानना चाहती है।

बगैर रजिस्ट्रेशन के कोचिंग हब बना चरवा मनौरी

चरवा कौशांबी। माध्यमिक शिक्षा परिषद और जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के उदासीनता और लापरवाही के चलते चरवा छेत्र और उसके आसपास कोचिंग हब बन गया है जिधर देखो उधर कोचिंग खोलकर छात्रों को पढ़ाने के नाम पर उनसे मनमानी धना दोहन हो रहा है फीस के नाम पर 500 सौ रुपए से लेकर 1000 रुपए तक की वसूली प्रति माह कोचिंग संचालकों द्वारा प्रति छात्र से हो रही है। कोरोनावायरस की महामारी में कॉलेज और स्कूल बंद होने के बाद कोचिंग संचालकों के भाग्य खुल गए हैं और कोचिंग में छात्रों की संख्या बढ़ गई है जिससे उनकी फीस भी और बढ़ा दी गई हैं इन कोचिंग संचालकों के पास अच्छे टीचर भी नहीं है फिर भी फीस के नाम पर छात्रों से लूट मची हुई है अवैध तरीके से बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे कोचिंग संचालकों पर अभी तक जिला विद्यालय निरीक्षक ने जांच कर कार्यवाही का प्रयास नहीं किया है जिससे शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भी मंशा साफ नहीं लग रही है अवैध तरीके से चल रहे कोचिंग के कारनामों पर यदि आलाधिकारियों ने जांच कराई तो छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे कोचिंग संचालकों के कारनामे उजागर होंगे और तमाम कोचिंग में सरकारी ताला लग सकता है। चरवा मनौरी के साथ-साथ जिले के बेरवा, जीवन गंज, सैयद सरावा, बलीपुर टाटा, चौराड़ीह,तेरह मील, आदि इलाके में भी तमाम कोचिंग अवैध तरीके से चल रही है जहाँ छात्रों को बैठने भी व्यवस्था नहीं है फिर भी हजारों रुपए महीने फीस के नाम से छात्रों से कोचिंग संचालक वसूल रहे हैं कुछ कोचिंग तो ऐसी हैं जिनके पास सुबह से शाम तक कोचिंग करने वाले छात्रों की लाइन लगी रहती है यह कोचिंग सुबह 6:00 बजे से खुल जाती हैं और एक 1 घंटे के अंतराल में छात्र बदल जाते हैं और देर रात 9:00 बजे तक कोचिंग चलती रहती है।

कागज पर ही रह गया निःशुल्क प्रसव प्रोत्साहन राशि

प्रसव पीड़ित महिलाओं को एएनएम से लेकर एंबुलेंस तक को देना पड़ता है चढ़ावा

कौशांबी। केंद्र व प्रदेश की सरकार भले ही सुरक्षित मातृत्व प्रसव के लिए लाख जतन करने के लिए कृत्य संकल्पन हो किंतु स्वास्थ्य केंद्र पर लगी ए एन एम और दाई के साथ एंबुलेंस वाले भी बगैर सुविधा शुल्क लिए हिलने का नाम नहीं लेते हैं सरकार द्वारा निर्धारित 14 सौ रुपए की धनराशि इन्हीं लोगों के लिए कम पड़ जाती है। केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार भले ही शिशु मृत्यु दर को कम करने तथा कुपोषण से बचने के लिए सभी गर्भवती महिलाओं के लिए जांच और टीके की व्यवस्था के साथ प्रत्येक माह की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं के चेकअप के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक आने और जाने की व्यवस्था निशुल्क की हो साथ ही प्रत्येक प्रसव पर सभी महिलाओं को 14 सौ रुपए की धनराशि उनके भोजन आज के लिए दी जाती है जिसमें कोई भी बच्चा कुपोषित ना हो तथा स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क प्रसव कराने के पीछे सरकार की यह मंशा है कि सभी प्रसव सुरक्षित हो। केंद्र और प्रदेश की सरकार इस योजना में पानी की तरह पैसा बहा रही है किंतु इस योजना को निचले पायदान पर लागू कराने में लगी एएनएम प्रत्येक प्रसव पर एक हजार रुपए सुविधा शुल्क यह कह कर ले रही हैं कि प्राइवेट अस्पताल में पांच हजार रुपए खर्चा करोगी यहां कम से कम एक हजार रुपए तो दो इसके बाद कार्यक्रम में लगी दाई भी दो सौ रुपये यह कह कर ले लेती हैं कि हमें तो कोई वेतन भी नहीं मिलता इसके बाद घर पहुंचने के लिए एंबुलेंस वाला भी महिला को घर छोड़ने के नाम पर दो सौ रुपए लेना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती है इस प्रकार 14 सौ रुपये की सहायता धनराशि स्वास्थ्य विभाग को निशुल्क सेवा टीम की भेंट चढ़ जाती है इस प्रकार सरकार की मंशा को घाटा बता कर गरीब व मजदूर महिलाओं को मिलने वाली सहायता धनराशि बंदरबांट सीएचसी पर तैनात प्रभारी भी इन महिलाओं की शिकायत को नजर अंदाज करते हैं।

गांव के दबंग ने की दलित लड़की से छेड़खानी

मामला चरवा थाना अन्तर्गत धमसेडा गांव का

दबंग ने घटना बताने पर जान से मारने की दी धमकी

डरे सहमे परिवारीजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी

कौशांबी। चरवा थाना अंतर्गत धमसेडा गांव में एक दबंग व्यक्ति ने दलित लड़की से छेड़खानी की है और किसी से घटना बताने पर जान से मारने की उसे धमकी दी है। जानकारी के मुताबिक आशा देवी पत्नी राम कुमार पासी गांव धमसेडा थाना चरवा 06 दिसंबर की शाम सौच के लिए बाहर खेत की तरफ गई थी प्रार्थिनी की दो लड़की उस्मा उम्र लगभग 17 वर्ष और दूसरी लड़की सुषमा उम्र लगभग 18 वर्ष की यह दोनों लड़कियां घर पर थी तभी प्रार्थिनी की लड़की उस्मा टॉयलेट करने घर के बगल में बैठी थी कि तभी गांव के ही प्रदीप कुमार पुत्र छेदी लाल पटेल ने प्रार्थिनी की लड़की को पकड़ लिया और प्रार्थिनी की लड़की से अश्लील हरकत करने लगा तो प्रार्थिनी की लड़की चिल्लाने लगी और छूट पाकर दौड़ कर अपने घर में घुस गई। प्रार्थिनी की दूसरी बेटी आवाज सुनी और दरवाजे के पास आई तो दबंग व्यक्ति ने प्रार्थिनी की लड़की को तमंचे सटा दिया भद्दी भद्दी गालियां आरोपी देने लगा गाली गलौज व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसने कहा कि अगर किसी से बताओगी तो तुम को जान से मार डालेंगे। प्रार्थिनी की लड़की ने घर आ कर आपबीती बताई तो प्रार्थिनी के घर के लोग सभी डरे सहमे हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई है।

सीबीआई की सीज बालू का आखिर चौकीदार कौन!

सीबीआई अफसरों ने सीज किया था करोड़ों की बालू माफियाओं ने बेचा

कौशांबी। पूर्ववर्ती सरकार में यमुना नदी की छाती चीर कर बालू माफियाओं ने बेखौफ तरीके से हजारों ट्रक यमुना नदी से बालू निकालकर अवैध तरीके से बेच लिया था बरसात के महीना आने के पहले ही बालू माफियाओं ने यमुना नदी से बालू निकालकर हजारों ट्रक बालू का भंडारण कर लिया था बालू के अवैध खनन और भंडारण को लेकर शीर्ष अदालत ने कठोर रुख अख्तियार किया जिस पर प्रदेश सरकार ने सीबीआई जांच शुरू करा दी है।

सीबीआई अफसरों ने कौशांबी में डेरा डाला और अवैध बालू के भंडारण की जांच करने के बाद उसे सीज कर दिया यमुना नदी के किनारे क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बड़े स्तर पर माफियाओं द्वारा बालू का भंडारण किया गया था अवैध तरीके से बालू भंडारण को सीबीआई द्वारा बड़े पैमाने पर बालू के भंडारण को सीज कर उसकी देखरेख की की जिम्मेदारी स्थानीय अधिकारियों को सौंप दें बालू के काले कारोबार में मालामाल हो चुके बालू माफिया इस कदर बेखौफ है कि देखते देखते बालू माफियाओं ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से सांठगांठ कर सीबीआई की सीज बालू को बेचकर धन अर्जित कर लिया सीबीआई अधिकारियों द्वारा जिले में अवैध खनन की सील की गई बालू को माफियाओं द्वारा बेच लिए जाने के मामले में खनन अधिकारी और थाना पुलिस तमाशबीन बनकर रह गई है। बीते दो दशक से बालू के अवैध खनन में लिप्त माफियाओं को सीबीआई की जांच और उस पर कार्रवाई का भी भय नहीं रह गया आखिर अवैध खनन द्वारा भंडारण की गई करोड़ों कीमत की बालू की चौकीदारी की जिम्मेदारी सीबीआई अधिकारियों ने किसे सौंपी थी और उस बालू की चौकीदारी कर सुरक्षित रखने की सीबीआई अधिकारियों को जवाबदेही किसकी थी लेकिन बीते वर्षो में बेची गई बालू को जिम्मेदार सुरक्षित नहीं रख सके जिले में बालू माफियाओं के बढ़ते वर्चस्व के चलते खनन विभाग और थाना पुलिस ने घुटने टेक दिए हैं सीबीआई द्वारा सीज की गई बालू बेच लिए जाने के मामले में आला अधिकारियों ने जांच कराई तो आधा दर्जन थानेदारों पर गाज गिरना तय है।

घोटालों में खो गया शौचालय का गड्ढा

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम नोढिया करेंटी में विना गड्ढे का शौचालय निर्माण करा कर ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी ने लाखों रुपये का घोटाला कर खा गए जबकि वही पर एक महिला ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधान ने कहा था कि जल्द ही गड्ढा बना दिया जाएगा जबकि वह लगभग दो साल से कहती रह गयी लेकिन प्रधान ने यह कह कर टाल दिया कि मुझे दोबारा प्रधान बनाओ तो ही गड्ढा बनेगा लगभग 30 शौचालय में गड्ढे ही नही बनाये गए और सरकार का पूरा रुपया निकाल लिया गया क्या इस तरह के भ्रष्टाचार को भी अधिकारी नजर अन्दाज करेंगे या फिर सरकार की योजनाओं को प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी लूटते रहेंगे ।वह लोगो ने बताया कि सफाई कर्मचारी भी नही आते वो केवल प्रधान को कुछ रुपये देकर चले जाते हैं ।तो गाँव मे गन्दगी तो रहेगी ही ।जब गॉव के मुखिया ही सफाई का रुपया खा जाते हैं तो कौन गांव की साफ करेगा।

नेताओं की गोद में खेल रहे मूरतगंज पुलिस चौकी इंचार्ज सूबेदार बिंद

अपराधियों से गलबहियां डाले चौकी इंचार्ज को वादी से महसूस हो रहा अमन चैन का खतरा

दर्जनों गंभीर अपराध के खुलासे में चौकी पुलिस हाफ रही है इनके कार्यकाल में हत्याओं को आत्महत्या लिखकर पुलिस ने पत्रावली बंद कर दी

कौशांबी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज चौकी इंचार्ज सूबेदार बिंद का भी कारनामा अजीबो गरीब है इलाके में दर्जनों गंभीर अपराध के खुलासे में चौकी पुलिस हाफ रही है इनके कार्यकाल में हत्याओं को आत्महत्या लिखकर पुलिस ने पत्रावली बंद कर दी है।

दर्जनों चोरी की घटनाओं को इनके कार्यकाल में अभिलेखों में दर्ज नहीं किया गया है इलाके में आम जनता त्राहि-त्राहि कर रही है लेकिन मूरतगंज चौकी इंचार्ज सूबेदार बिंद नेताओं की गोद में खेल रहे हैं इस चौकी की स्थिति अब इतनी खराब हो गई है कि साक्ष्य के साथ तहरीर को साथ में लेकर पुलिस चौकी जाने वाले फरियादियों से अब चौकी पुलिस को खतरा महसूस हो रहा है चौकी पुलिस पीड़ितों पर जुल्म ज्यादती कर उसकी आवाज दबा देना चाहती है न्याय की मांग करने वालों पर शांति भंग की धारा दर्ज कर पुलिस पीड़ित लोगों का उत्पीड़न करने पर लगी हुई है और चौकी पुलिस के तमाम गुनाह विभाग ने माफ कर दिए हैं। बीते दिनों मूरतगंज चौकी क्षेत्र में इलियास अहमद पुत्र अब्दुल वहाब के लोहे की निमार्णाधीन गोमती को गांव के अराजक तत्वों ने भीड़ के बीच तोड़ दिया मौके पर ग्रामीणों ने अराजक तत्वों के गोमती तोड़ते हुए वीडियो में बना लिया वीडियो के साथ आरोपियों को नामजद करते हुए चौकी इंचार्ज को इलियास ने शिकायती पत्र दिया नामजद आरोपियों के संपर्क तक पुलिस पहुंची और दूसरे दिन से हमलावर बेगुनाह साबित कर दिए गए तमाम संक्षयं को चौकी इंचार्ज ने नजरअंदाज कर दिया और तहरीर लेकर जाने वाले इलियास और उनके परिजनों पर ही शांति भंग की कार्रवाई कर दी अब सवाल उठता है कि अपराध होने के बाद उसकी तहरीर लेकर पुलिस चौकी जाना भी योगीराज में गुनाह हो गया है न्याय मांगने से पुलिस की शांति व्यवस्था खराब होती है चौकी पुलिस की माने तो अपराध होने दो तहरीर मत देना वरना चौकी इंचार्ज सूबेदार बिंद के राज में जेल भेज दिए जाओगे।

गरीबों को कृषि आवास मत्स्य पालन पौधारोपण कुम्हारीकला के लिए भूमि पट्टा का आवंटन

शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को पात्रों को चयनित करने का दिया निर्देश

कौशाम्बी। प्रदेश सरकार भूमिहीन, आवासहीन, गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग के लोगों को ग्राम पंचायत की जमीन देकर उनका विकास करती है। भूमि जैसी दैव प्रदत्त आर्थिक सम्पदा का सम्यक लाभ समाज के सभी वर्गों को मिले, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यवहारिक, संतुलित एवं जनोपयोगी कदम उठाये हैं। भूमि सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश सरकार ने पात्र गरीबों को भूमि का पट्टा देकर उन्हें भूमिधर बनाया है। उक्त बातें जिलाधिकारी कौशांबी अमित कुमार सिंह ने कही है।

प्रदेश सरकार के राजस्व विभाग द्वारा प्रदेश में ग्राम समाज की कृषि योग्य भूमि पट्टे पर आवंटित करने के लिए संघ के सशस्त्र बल में सक्रिय सेवा में रहते हुए शहीद हुए ऐसे व्यक्तियों के परिवारीजन को प्रथम वरीयता में भूमि आवंटित की जाती है। उसी तरह सेना में रहते हुए पूर्णतया दिव्यांग होने वाले सैनिक को द्वितीय वरीयता में ग्राम पंचायत की भूमि का पट्टा दिया जाता है। इसके बाद पात्र भूमिहीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग के भूमिहीन कृषि श्रमिक या गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले सामान्य वर्ग के व्यक्तियों को वरीयता प्रदान करते हुए कृषि योग्य भूमि का पट्टा दिया जाता है। पात्रों को कृषि हेतु भूमि का पट्टा देकर प्रदेश सरकार उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है। जो लोग भूमिहीन रहे हैं, और दूसरों की भूमि पर काम करके अपनी जीविका चलाते थे, ऐसे लोग अब अपनी भूमि होने पर भूमि सुधार कर कड़ी मेहनत कर अपने परिवार के लिए अन्न पैदाकर खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वर्तमान प्रदेश सरकार ने प्रदेश के हजारों पात्र भूमिहीनों को भूमिधर बनाते हुए अब तक 4269 हेक्टेयर कृषि भूमि का पट्टा आवंटन किया है। प्रदेश सरकार आवासहीन व्यक्तियों जिनके पास घर बनाने के लिए भूमि नहीं है, उन्हें आवास बनाने हेतु भूमि आवंटित करती है। प्रदेश के अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों, गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले सामान्य वर्ग के व्यक्तियों, ग्रामीण कारीगरों के परिवार सहित जिनके पास पर्याप्त आवास नहीं है ऐसे लोगों को प्रदेश सरकार आवास स्थल उपलब्ध कराते हुए आवास पट्टा देती है। आबादी स्थलों के आवंटन में पात्र विधवा महिला और दिव्यांग व्यक्तियों को वरीयता दिया जाता है। प्रदेश में 2018-19 से अब तक लगभग 50 हजार पात्र परिवारों को आवास स्थल आवंटित करते हुए उन्हें छत मुहैया कराया गया है। आवंटित आवास स्थलों पर अपना घर बनाकर आवंटी परिवार सर्दी, गर्मी, बरसात से बचते हुए खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रदेश सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा दे रही है। मत्स्य पालन हेतु ग्राम सभा के तालाबों, पोखरों को मछुआ समुदाय व अन्य पात्र व्यक्तियों को 10 वर्ष हेतु पट्टा देकर पट्टाधारकों को रोजगार से लगाती है। मछली जलीय पर्यावरण पर आश्रित जलचर जीव है तथा जलीय पर्यावरण को संतुलित रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हे। गांवों के तालाबों, पोखरों को स्वच्छ और जल जैविक स्थिति सामान्य बनाये रखने के लिए उनमें मत्स्य पालन भी जरूरी होता है। प्रदेश सरकार ग्राम पंचायतों के तालाबों, पोखरों को पात्र मछुआ समुदाय अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग एवं मछुआ सहकारी समितियों व गरीब सामान्य वर्ग के व्यक्तियों को नीलामी के माध्यम से सम्बंधित क्षेत्र के तहसीलों द्वारा पट्टा दिया जाता है। मत्स्य पालन हेतु दिये जा रहे तालाबों, पोखरों, झीलों के पट्टों से लाखों लोगों को रोजगार मिला है। प्रदेश में वर्ष 2018-19 से अब तक 15233 हेक्टेयर तालाबों का पट्टा देते हुए हजारों परिवारों को रोजगार से लगाया गया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में माटीकला को बढ़ावा देते हुए माटीकला बोर्ड का गठन किया है। माटीकला हेतु बनने वाले मिट्टी के खिलौने, मूर्तियां, दीयें आदि बनाने वाले कुम्हारों कलाकारों को चिकनी मिट्टी की जरूरत पड़ती है जिसे सम्बंधित ग्राम सभा में प्राप्त तालाबों, पोखरों, स्थल को कुम्हारीकला हेतु आवंटित किया जाता है। कुम्हारीकला के व्यवसाय में लगे परिवारों के आर्थिक उन्नति एवं उनके व्यवसाय हेतु उपयुक्त चिकनी मिट्टी के स्थल को आवंटित कर उन्हें रोजगार से लगाया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 7797 स्थलों का 24,000 परिवारों को आवंटन करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया है।

हजारों मजदूरों की रोटी छीन रहे है बालू ठेकेदार : ब्लाक प्रमुख

कौशांबी। जिले की यमुना नदी से बालू के खनन में जेसीबी पोकलैंड मशीनों का प्रयोग बालू ठेकेदारों द्वारा बेखौफ तरीके से किया जाता है इतना ही नहीं बालू के अवैध खनन में लगे खनन माफियाओं द्वारा भी जेसीबी मशीन और पोकलैंड मशीन से यमुना नदी से अवैध खनन किया जाता है बालू माफिया इस कदर बेखौफ है कि बीच नदी जल धारा से मशीनों के जरिए बालू का खनन कर रहे हैं जबकि यमुना नदी की जलधारा से बालू खनन पूर्ण रोक है माफिया बेखौफ होंकर यमुना नदी से बेखौफ तरीके से खनन में मशगूल है यमुना नदी में जेसीबी मशीन और पोकलैंड मशीन से हो रहे अवैध खनन को गंभीरता से लेते हुए भाजपा नेता चायल ब्लॉक सोनू कुमार ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला अधिकारी को पत्र भेजकर यमुना नदी से बालू के खनन में लगी जेसीबी और पोकलैंड मशीनों को बंद कराए जाने की गुहार लगाई है। चायल ब्लॉक प्रमुख सोनू कुमार ने अपने पत्र में कहा है कि यमुना नदी के किनारे बसे गांव के गरीब मजदूरों के सामने रोजी रोटी का केवल यही एक साधन है यमुना नदी से बालू की निकासी और ट्रकों में भरने में यह मजदूर लगे रहते हैं जिससे उनके परिवार की दो जून की रोटी आसानी से चल जाती है लेकिन यमुना नदी में नियम विरुद्ध तरीके से मशीनों से खनन कराए जाने के बाद मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है ब्लाक प्रमुख सोनू कुमार ने कहा कि इन मजदूरों की रोजी रोटी छीने जाने से बचाई जाए और माफियाओं के अवैध खनन में लगी मशीनों को जब्त कराई जाए।